को यह बतलायेगी कि सरकार इस बड़े संकट का सामना करने के लिये पूरी शक्ति से तैयार है ।

एक माननीय सदस्य : हां, तैयार है ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : अभी अभी सवालों के दौरान दो दफे यह बात उठ चुकी है और मैं इस का जवाब दे चुका हूं । जरा शब्दों का फर्क है । हमें तैयार रहना चाहिये । कोई बात हो हमें तैयार रहना चाहिये । खास तौर से अब तैयार रहना चाहिये । हमारी फौज के और हमारे जो इन्तजामात हैं उन को देखते हुए मेरा ख्याल है कि हम तैयार हैं और हमारी फौज तैयार है । लेकिन मैं फिर कहूंगा कि फौज के लिये अक्सर यह मुनासिब नहीं होता कि दौड़ी दौड़ी फिरे इधर से उधर, जहां एक तमंचा चल गया या एक गोली चल गई । यह तो दुश्मन का काम होता है उस को दौड़ाने का, उस के काम को रोकने का । उन की कोशिश यह होती है, लेकिन जब इस के तय करने का सवाल उठता है तो जो वहां फौजी कमान्डर हैं उन पर होता है कि जैसा मुनासिब समझें तय करें । इस की इजाजत उन को दे दी गई है ।

Shri P. Venkatasubbaiah (Adoni): The Prime Minister in his reply has said that a protest note has been sent to Pakistan Government and that the Pakistan Government has been disputing this as disputed area. In that protest note.

श्री ब्रजराज सिंह : प्राइम मिनिस्टर ने कहा कि तमंचा चला, लेकिन अखबार में लिखा है मशीनगनों का इस्तेमाल किया जा रहा है .

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल कर चुके हैं ।

श्री ब्रजराज सिंह : यह गलत स्टेटमेंट दिया गया है, कि तमंचा चलाया गया । तमंचा नहीं मशीनगनें चलायी जा रही हैं ।

Shri P. Venkatasubbaiah: The Prime Minister in his reply has said that a protests note has been sent to Pakistan Government and that the Pakistan Government has been disputing this as disputed area. In that protest note has our Government asked the Pakistan Government to sit across a table with their directors of survey so as to decide the ownership of this territory?

Shri Jawaharlal Nehru: We have been pressing for the demarcation of this area repeatedly. Most of it has been demarcated; a little part remains including this particular part. We have been saying that a crash programme should be adopted to finalise this.

12.21 hrs.

MESSAGE FROM U.S.A. PRESIDENT

Mr. Speaker: I have to inform the House that I have received the following message from President Johnson of the U.S.A. in reply to the message of this House on the dealth of the late President Kennedy:

"Dear Mr. Speaker:

Your message of sympathy and the tribute paid by the Indian Parliament to the late President Kennedy is deeply appreciated by all of us. Such an understanding response to our tragic loss is a source of strength to Mrs. Kennedy and myself during these trying days.

My administration is pledged to the attainment of those high goals to which the late President dedicated and finally gave his life. In this endeavour I am sure I can count on the support and cooperation of India.

Sincerely,
Lyndon B. Johnson"